>

Title: Regarding killing of six Hindi speaking people, labourer from Bihar by ULFA in Assam.

श्री राम कृपाल यादव (पटना): अध्यक्ष महोदय, मैं आपका, सदन और सरकार का ध्यान एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूं। 15 और 16 तारीख को असम में शिवसागर और डिब्रूगढ़ जिलों में पहले दिन छः और दूसरे दिन तीन हिन्दी भाषी लोगों को मार डाला गया। ये लोग बिहार के मजदूर थे, जो वहां जाकर मजदूरी करते थे। इससे पहले भी सदन को जानकारी होगी कि 60 हिन्दी भाषी लोगों की हत्या कर दी गई थी। उससे पहले भी बिहार आदि राज्यों के कुछ छात्र जब वहां नियुक्ति पत्र लेकर गए थे, तो उन्हें भी मारा गया था। इस तरह से असम में लगातार बिहार के गरीब मजदूरों को मारने का काम किया जा रहा है। पिछले दिनों जिस तरह से उल्फा के माध्यम से, उग्रवादियों के माध्यम से इन लोगों की नृशंस हत्या हुई, उससे वहां आतंक का वातावरण छाया हुआ है और वहां रह रहे हिन्दी भाषी लोग अपने असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। मैं गृह मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उनकी सुरक्षा के लिए आप कौन से उपाय करने जा रहे हैं या उन्हें अपने हालात पर छोड़ने का काम किया जा रहा है? मेरा आरोप है कि केन्द्र सरकार सीधे तौर पर इस मामले को गम्भीरता से नहीं ले रही है, जिस वजह से ऐसे हालात पैदा हो रहे हैं। हमारे नेता और रेल मंत्री जी पिछले दिनों वहां गए थे और अन्य दलों के नेता भी वहां गए थे। उन्होंने वहां स्थिति को सम्भालने का काम किया था। असम में बिहार और कुछ अन्य राज्यों से आए गरीब मजदूर जीविकोपार्जन के लिए काम करते हैं। वे लोग वहां एक-दो साल से नहीं, 40-50 सालों से वहां रह रहे हैं। अगर ऐसे हालात रहते हैं तो वे कहां जाएंगे? उन्हें इस तरह से मारने का काम किया जा रहा है इससे देश की एकता और अखण्डता को खतरा पैदा हो गया है। इसलिए इस गम्भीर विषय पर सरकार को विचार करना चाहिए कि आखिर वे गरीब लोग कब तक इस तरह मारे जाएंगे। इसलिए सरकार को तुंत इस विषय पर हस्तक्षेप करना चाहिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: हो गया, अब आप बैठ जाएं। You have raised it in an appropriate manner.

...(*Interruptions*)

श्री राम कृपाल यादव : गृह मंत्री जी कौन सी सकारात्मक कार्रवाई इस मामले में कर रहे हैं, यह बताएं?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: आप बैठ जाएं, आपको मैंने अलाऊ किया था और आपने अपनी बात कह दी।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : यह गम्भीर मामला है। इससे एक असाधारण परिस्थिति पैदा होगी।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This 'period' is not for debate; this is for raising the matter. I have allowed you to raise the matter in the presence of the Government. What more can I do?

...(*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : यह जहर सब राज्यों में फैल सकता है और इससे देश की एकता और अखण्डता को खतरा पैदा हो सकता है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: आप बैठ जाएं, आपने मामला उठा दिया है। माननीय सदस्य श्री विजय कृष्ण, श्री धीरेंद्र अग्रवाल, श्री सीताराम सिंह, श्री गणेश प्रसाद सिंह, श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव, श्री आलोक मेहता और श्री घुरन राम भी अपने को इस मुद्दे से सम्बद्ध करते हैं।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have said that this is a serious matter; the Government will look into it.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Not one word will be recorded.

(Interruptions) â€¦*

MR. SPEAKER: What are you doing? The hon. Minister wants to reply, but you are not allowing him. What is this? Absolute lawlessness is going on in the House.

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF IMFORMATIOM AND BROADCASTING (SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI) : It is a serious issue that has been raised today here. At one point of time, our distinguished leader Shri Lalu Prasad Ji himself had been there to bring peace in that part of the country. Our Home Minister is in constant touch with the Chief Minister of Assam. It is a bad thing that has happened. We all disapprove of it. The Government will take a very firm stand to deal with the terrorists as well as the people who are trying to divide the society. The workers who are there should be given full protection. I will not only bring it to the knowledge of the Home Minister, but I will also personally speak to the Prime Minister, the moment House rises for today. ...(*Interruptions*) I will personally take it up with the Prime Minister today. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Thank you. I believe that there is an appropriate response to it. [MSOffice8]